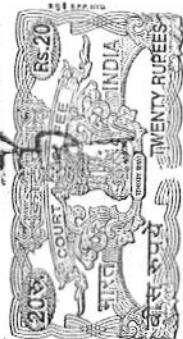
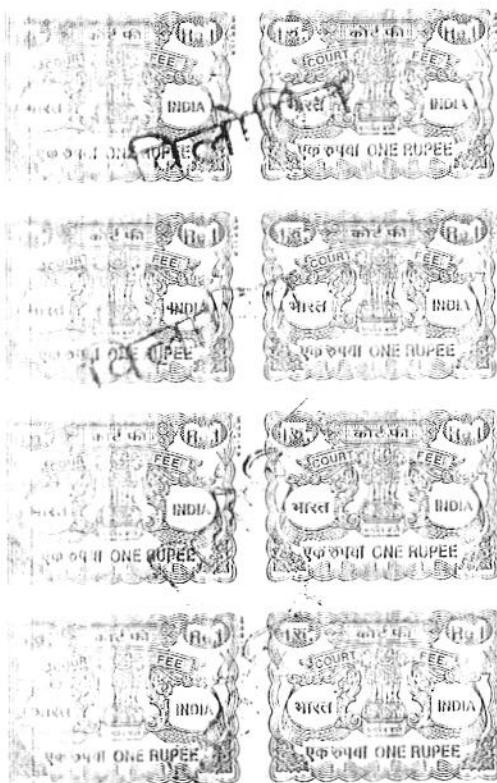


वित्त



न्यायालय माननीय राजस्व पण्डित मध्यप्रदेश, भवा लियर

प्रकरण नं. १३१६ निगरानी ४१९८ II/१६



भी क्रम के अनुसार, नं
द्वारा आज दि १३-१२-१६ को
प्रस्तुत
13-12-16
इलाके ऑफ कोटे
राजस्व पण्डित मध्यप्रदेश
१३१६/४१६

७५९
१३१६/१६

(३)

- १- गनपत आ० विलारी कुशवाह उम् ५० वर्ष
- २- मन्नू आ० विलारी कुशवाह
- ३- फाल आ० गनपत कुशवाह
- ४- सेमराज आ० गनपत
- ५- इन्द्रित आ० गनपत
- ६- रमेश आ० मन्नूलाल कुशवाह
- ७- मानसिंह आ० मन्नूलाल कुशवाह
समस्त निवासीगण ग्राम श्योपुरा, पगारी
हल्का चिन्नीद, थाना व तेहसील करेंगा,
जिला शिवपुरी -८०४०।

प्राथीगण

बिराच्छ

- १- चौर सिंह परिवार आ० ल८५५
- २- विन्दा परिवार आ० ल८५५
- ३- दिनेश परिवार आ० सिरनाम,
- ४- सेमराज परिवार आ० सिरनाम
- ५- गोवर्धन परिवार आ० सिरनाम,
- ६- मानसिंह परिवार आ० सिरनाम,
- ७- लखन सिंह परिवार आ० रामा,
- ८- शिवराण परिवार आ० रामा,
- ९- सुधर सिंह परिवार आ० मथै प्रसाद,
- १०- लक्ष्मीर परिवार आ० मथै प्रसाद,
- ११- नदिक्षीर परिवार आ० मथै प्रसाद,
- १२- राजेश परिवार आ० मथै प्रसाद,
- समस्त निवासी ग्राम श्योपुरा, पगारीहल्का -
चिन्नीद थाना व तेहसील करेंगा, जिला शिवपुरी
(म०४०)

— प्रतिप्राथीगण

क्रमांक: -२

निगरानी बिराध आदेश तहसीलदार महोदय केरा, जिला-शिवपुरी,
दिनांक २३-११-१९६६, अंतर्गत धारा ५० पर्याप्तेश मू-रा ज़िल्हा संहिता,
१६५६। प्र०३० ६०(ब-७०) १५-१६।

श्रीमान जी,

निगरानी का आवेदन पत्र निम्न आधारों पर

प्रस्तुत है :-

१- यह कि, तहसीलदार महोदय की आशा बानून सही नहीं है।

२- यह कि, तहसीलदार महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है।

३- यह कि, प्रकरण में धारा २५० मू-रा ज़िल्हा संहिता के जावश्यक तत्व व उपलब्ध नहीं हैं और न प्रमाणित ही किये गये हैं, ऐसी स्थिति में पारित विवादित आशा निरस्ती योग्य है।

४- यह कि, प्राथमिक की ओर से प्रस्तुत उचर में जिन आपचियों का उल्लेख किया गया है, उन आपचियों पर कोई विचार ही नहीं किया गया है।

५- यह कि, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी महोदय के प्रतिवेदन को सहीमानना तथ्यों एवं वास्तविकता से विपरीत होने से पारित विवादित आदेश निरस्ती योग्य है।

६- यह कि, प्रकरण में न तो अवैध कठोरा का दिनांक ही प्रमाणित किया गया है और न विधिवत जांच ही उ की गई है, ऐसी स्थिति में पारित आदेश निरस्ती योग्य है।

७- यह कि, विवादित आदेश, आदेश की परिमाणा में नहीं आता है वह स्वर्य बोलता हुआ आदेश न होने से निरस्ती योग्य है।

८- यह कि, पारित विवादित आशा मात्र अनुमानों पर आधारित होने से निरस्ती योग्य है।

९- यह कि, अवैध कठोरा माने जाने का कोई आधार विवादित

त्रृप्ति:- ३

(३)

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर
 अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक—निगरानी—4197—दो / 2016

जिला—शिवपुरी

गनपत आदि विरुद्ध वीरसिंह आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकार अभियान के हस्त
१५—०६—२०१९	<p>प्रकरण प्रस्तुत। आवेदक द्वारा यह निगरानी तहसीलदार करैरा, जिला—शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 60/अ—70/2015—16 में पारित आदेश दिनांक 23—11—2016 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म०प्र० भू—राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25—9—2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर शिवपुरी, जिला—शिवपुरी के न्यायालय को अंतरित किया जाता है।</p> <p>2/ पक्षकार दिनांक 08—08—2019 को कलेक्टर के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हों।</p> <p style="text-align: right;">(आर०क० जैन) ८/१९ सदस्य</p> 	